कृषि तकनीकी में उद्यमिता एवं रोजगार की अपार क्षमता : डॉ. कोकाटे

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर के कृषि प्रणाली का पहाड़ी एवं पठारी अनुसंधान केन्द्र, राँची में दिनांक 6 से 8 मई, 2024 तक 20वीं अनुसंधान परामर्शदात्री समिति का तीन-दिवसीय दौरा आज सम्पन्न हुआ। इस समिति के अध्यक्ष डा. के. डी. कोकाटे, पूर्व-उप महानिदेशक, भा.कृ.अनु.प. एवं सदस्यगण डा. मसऊद अली, डा. के. एन. तिवारी एवं डा. शिवेन्द्र कुमार द्वारा भा.कृ.अनु.प., नई दिल्ली के सहायक महानिदेशक डा. राजबीर सिंह की उपस्थिति में दिनांक 7 मई को संस्थान के अनुसंधान केन्द्र, राँची में बैठक कर, संस्थान की परियोजनाओं एवं अनुसंधान गतिविधियों का निरीक्षण एवं समीक्षा की गई। समिति के सदस्य डा. शिव धर सिंह ने ऑनलाइन माध्यम से अपने विचार व्यक्त किए। इस बैठक में केन्द्र के मुख्यालय भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना के निदेशक डा. अनुप दास के साथ शोध कार्यक्रमों के

अध्यक्षगण – डा. आशुतोष उपाध्याय (प्रमुख, भूमि जल प्रबंधन प्रभाग), डा. उज्ज्वल कुमार (प्रमुख, सामाजिक आर्थिक विस्तार प्रभाग), आर.ए.सी. के सदस्य सचिव डा. कमल शर्मा (प्रमुख, पशुधन उत्पादन प्रबंधन प्रभाग), अनुसंधान केंद्र रांची के प्रधान डॉ. अरुण कुमार सिंह, फसल उत्पादन प्रबंधन के प्रमुख वैज्ञानिक डा. ए.के. चौधरी, संस्थान के कृषि विज्ञान केन्द्र, बक्सर के प्रधान डा. देव करण तथा कृषि विज्ञान केन्द्र, रामगढ़ के प्रधान डा. सुधांशु शेखर भी उपस्थित रहे। बैठक के आरम्भ में निदेशक डा. अनुप दास द्वारा अध्यक्ष एवं सदस्यगण का स्वागत किया गया एवं संस्थान की उपलब्धियों, कार्यक्षेत्र एवं तकनीकों का विवरण प्रस्तुत किया गया। समिति के अध्यक्ष डा. के. डी. कोकाटे ने कहा कि आनेवाले समय में "जीरो हंगर-नो पोवर्टी" (शून्य भूख-शून्य गरीबी) के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए कृषि की टिकाऊ तकनीकों का विकास किया जाना चाहिए। उन्होंने संस्थान द्वारा विकसित कृषि तकनीकों की सराहना की और संस्थान को सरकार के नीति-निर्धारकों के साथ मिलकर इन तकनीकों को कृषकों के लाभार्थ राज्य की कृषि नीतियों में शामिल कराने की सलाह दी तथा जनजातीय किसानों की आवश्यकताओं पर केंद्रित कृषि अनुसंधान पर बल दिया। समिति के सदस्य डा. शिवेंद्र कुमार ने पर्यावरण हितैषी कृषि विधियों को किसानों के बीच लोकप्रिय बनाने की सलाह दी। साथ ही, उन्होंने भूमि क्षय की समस्या के निराकरण के लिए शोध करने की आवश्यकता जताई। सदस्य डा. के. एन. तिवारी ने कहा कि कृषक समुदाय के बीच सोलर फार्मिंग एवं ड्रोन जैसी उन्नत

तकनीकों का व्यापक प्रचार-प्रसार करने की आवश्यकता है। सदस्य डा. मसऊद अली ने कहा कि कृषि अनुसंधान में सिस्टम मोड को अपनाना लाभकारी होगा। साथ ही कृषि तकनीकों का पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव का भी अध्ययन किया जाना चाहिए। परिषद के सहायक महानिदेशक डा. राजबीर सिंह द्वारा कृषि में निर्णय प्रक्रियाओं में आधुनिक टूल्स जैसे -मशीन लर्निंग एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को इस्तेमाल करने का आह्वान किया गया। इस बैठक में संस्थान के अनुसंधान केन्द्र, राँची से लाभान्वित हुए प्रदेश के कुछ प्रगतिशील किसानों एवं उद्यमियों ने भी भाग लिया। ग्राम- सपारोम के किसान राजेशमुंडा, खरसीदाग की अलबीना एक्का, तेतरी की अंजली लकड़ा, प्लान्डु की सुकरमनी, पिंडारकोमके क्रिस्टोफर मिंज तथा मल्टी की मुन्नी कच्छप केन्द्र द्वारा विकसित उन्नत कृषि तकनीकों को अपनाकर अपनी जीविका में हुए सुधार एवं सफलता की कहानी साझा की। इस पर समिति ने प्रसन्नता व्यक्त की। समिति द्वारा केंद्र के प्रक्षेत्र में चल रहे प्रयोगों एवं प्रदर्शित तकनीकों जैसे - ड्रिप मल्चिंग, एग्री फोटो वोल्टाइक, आम की बहुस्तरीय फसल प्रणाली, परवल मदर ब्लॉक, बीज उत्पादन इकाई, केंचुआ खाद इकाई, झारखंड की देशी मुर्गियों के जर्मप्लाज्म, आम, लीची एवं अमरूद की सघन बागवानी,

बासमती सोयाबीन उत्पादन, ड्रैगन फ्रूट उत्पादन, समेकित कृषि प्रणाली इकाई आदि का निरीक्षण किया गया। दिनांक 8 मई को समिति द्वारा ओरमाँझी स्थित प्रगतिशील कृषक श्री बैजनाथ महतो के खेतों का भ्रमण किया गया। समिति द्वारा केन्द्र से जुड़े ए.बी.आई. इंक्यूबेटी एवं कृषि उद्यमी श्री श्रवण कुमार की टाटीसिल्वे स्थित फल उद्योग नर्सरी का भ्रमण किया गया। साथ ही समिति द्वारा नामकुम प्रखण्ड के पिंडारकोम गाँव के फार्मर फर्स्ट प्रोग्राम के लाभार्थी किसान क्रिस्टोफर मिंज के द्वारा अपनाई गई कृषि तकनीकों का भी अवलोकन किया गया। अपनी यात्रा की स्मृतिस्वरूप समिति के अध्यक्ष, सदस्यगण एवं सहायक महानिदेशक द्वारा केन्द्र में पौधरोपण भी किया गया।समिति ने केन्द्र के कार्यों एवं उपलब्धियों पर संतोष व्यक्त किया एवं भविष्य में शोध हेतु मार्गदर्शन प्रदान किए।

अनुसंधान परामर्शदात्री समिति की 20वीं बैठक
XX Research Advisory Committee Meeting
6–8 मई, 2024 / 6-8 May, 2024
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना
ICAR Research Complex for Eastern Region, Patna
डा. राजबीर सिंह
डा. के. डी. कोकाटे

अनुसंधान परामर्शदात्री समिति की 20वीं बैठक
XX Research Advisory Committee Meeting
6–8 मई, 2024 / 6-8 May, 2024
ICAR Research Complex for Eastern Region, Patna
Dr Masood Ali